PARLIAMENT OF INDIA
JOINT RECRUITMENT CELL

EXAMINATION FOR THE POST OF JUNIOR PROOF READER
IN
LOK SABHA SECRETARIAT

07.09.2013

PAPER-I : PROOF READING

INSTRUCTIONS: This paper is in two parts. **Part-A**: Proof Reading in English and **Part-B**: Proof Reading in Hindi. Attempt each part in the **respective answer sheets.**

Time : 1 hour 30 minutes

Marks : 100

PART-A: PROOF READING IN ENGLISH

Q.1. Mark the marginal symbol in the answer sheet attached for the following corrections on the proofs:

7 ½ Marks

1. Change to lower case.
2. Change to italics.
3. Move to right.
4. Take word over to next line.
5. Reduce space between words.
6. Set in light face type.
7. Delete.
8. Next paragraph.
9. Insert colon.
10. Insert quotation mark.
11. Close up.
12. Insert parentheses.
13. Push down space.
14. Insert lead between lines.
15. Refer to manuscript.

Q.2. Explain the meaning of the following *proof reading* symbols in the answer sheet attached:

$7\frac{1}{2}$ Marks.

1	W.f	9	⊐
2	≡	10	;/
3	take back	11	|—/
4	~~~~	12	S.C =
5	eq #	13	run on
6	□/	14	trs
7	⁀	15	ﻯ
8	⊙/		

ANSWER SHEET

PART A: PROOF READING IN ENGLISH

1	Change to lower case	
2.	Change to italics	
3.	Move to right	
4.	Take word over to next line	
5.	Reduce space between words	
6.	Set in light face type	
7.	Delete	
8.	Next paragraph	
9.	Insert colon	
10.	Insert quotation mark	
11.	Close up	
12.	Insert parentheses	
13.	Push down space	
14.	Insert lead between lines	
15.	Refer to manuscript	

Q.2.

1		9	
2		10	
3		11	
4		12	
5		13	
6		14	
7		15	
8			

Q.3. Read the following manuscript and mark the corrections on the enclosed proof for correction by incorporating suitable textual and marginal proof reading marks observing style of the House.

MANUSCRIPT (35 Marks)

Throughout modern times, efforts to forge a nation and build a strong state, along with the irresistible advance of market forces, have sounded the death knell of languages by the score. At present there are some 6,000 linguistic communities in the world. More than half of them have fewer than 5,000 speaker. Over 1,000 have a mere dozen.

According to one scholarly estimate, just about 300 languages will survive by the end of the century. The extinction of the others spells the eclipse of cultural traditions that have endured since aeons: traditions that reveal – through speech, script and song – the mind of a people, their spirit, the template of their feelings and emotions. Unless a threatened language is recorded and documented in good time, its traces would be lost forever.

It is in this context that the launch of a new survey of Indian languages at Birla House in New Delhi on September 5- Teacher's Day and birthday of S Radhakrishnan- assumes a momentous significance. The scale of this enterprise – conducted under the overall supervision of Ganesh devy, head of the Bhasa Research and publication Centre (an NGO based in Baroda) hasn't been matched anywhere in the world.

Dozens of linguists and anthropologists associated with some 85 institutions took part in the exercise. More than 3,000 volunteers drawn from the linguistic communities themselves were trained to ferret out information about the origin and evolution of a language, its saying and folk-tales , its ballads and songs and its other forms of expression. Hence the title 'People's Linguistic Survey of India'.

The enormity of this accomplishment – 50 volumes running into more than 35,000 pages and cevering a total of 780 languages – must be measured against the back drop of similar survey s conducted in the past. To find a precedent one needs to go as far back as 1898 when an Irish linguist, George Abraham Grierson, began to compile a list of languages spoken in *British India*. The list contained names of 179 languages and a couple of hundred for dialects.

Q.3

PROOF FOR CORRECTION

Throughout modern times, effort to forge a nation and build a strong state, along with the irresistable advance of market forces, have sounded the death kenll of languages by the score. At present there are some 6,000 linguistic communities in the world. More than half of them have fewer than 5,000 speaker. Over 1,000 have a mere dozen.

According to one scholarly estimate, just about three hundred languages will survive by the end of the century. The extinction of the others spells the eclipse of cultural traditions that have endured since aeons traditions that reveal – through speech, script and song – the mind of a people, their spirit, the template of their feelings and emotions. unless a threatened language is recorded and documented in good time, its traces.

It is in this context that the launch of a new survey of Indian languages at Birla house in New Delhi on September 5- Teachers Day and birthday of S Radhakrishnan- assumes a momentous significence. The scale of this enterprise – conducted under the overall supervision of Ganesh Devy head of the Bhasa Research and publication Centre an NGO based in Baroda hasn't been matched anywhere in the world.

Dozens of linguists and anthropó logists associated with some 85 institutions took part in the exercise. More than 3,000 volunteers drawn from the linguistic communities themselves were trained to ferretout information about the origin and evolution of a language, its saying and folktales, its ballads and songs and its other forms of expression. Hence the title People's Linguistic Survey of India.The enormity of this accomplishment – 50 volumes running into more than 35,000 pages and covering a total of 780 languages – must be measured against the backdrop of similar survey s conducted in the past. To find a precedent one needs to go as far back as 1898 when an Irish linguist, George Abraham Grierson, began to compile a list of languages spoken in British India. The list contained names of 179 languages and a couple of hundred for dialects.

भाग-बी-फ्रूफ रीड़िग (हिन्दी)

प्र.1. नीचे दिए गये अर्थों का प्रुफ चिन्ह बतायें जो पंक्ति के किनारे पर लिखे जाते है। प्रूफ चिन्ह संलग्न उत्तर पुस्तिका में लगायें। (10 अंक)

1. नया पैरा आरम्भ करें।
2. पैरा ग्राफ जोड़ें
3. बड़े टाईप में बदलें
4. बोल्ड टाईप लगाऐं।
5. रोमन अक्षर लगाऐं।
6. स्पेस बराबर करें।
7. लघु कोष्ठक लगायें।
8. इटैलिक टाईप लगाऐं।
9. स्थान बदलें।
10. कोई परिवर्तन नहीं करें।

प्र.2 नीचे दिए गए प्रुफ चिन्हों के अर्थ सलंग्न उत्तर पुस्तिका में बतायें। (10 अंक)

1.		6	
2.		7.	
3.		8.	
4.		9.	
5.		10.	

उत्तर पुस्तिका

1.

1.	नया पैरा आरम्भ करें।	
2.	पैरा ग्राफ जोड़ें	
3.	बड़े टाईप में बदल	
4.	बोल्ड टाईप लगाऐं।	
5.	रोमन अक्षर लगाऐं।	
6.	स्पेस बराबर करें।	
7.	लघु कोष्ठक लगायें।	
8.	इटैलिक टाईप लगाऐं।	
9.	स्थान बदलें।	
10.	कोई परिवर्तन नहीं करें।	

2.

1.		6	
2.		7.	
3.		8.	
4.		9.	
5.		10.	

(संलग्न उत्तर पुस्तिका में प्रूफ चिह्न लगायें)
प्र03 प्र. 3 मैन्युस्क्रिप्ट हिन्दी प्रूफ-रीडिंग अंक - 30

उज्जैन जिले में सोयाबीन आधारित फसल पद्धति प्रमुखता से अपनायी जाती है। खरीफ में लगभग 95 प्रतिशत क्षेत्र में सोयाबीन उगाने के पश्चात रबी मौसम में चना, गेहूं, आलू, लहसुन और प्याज की खेती की जाती है। पहले किसान टमाटर की खुला परागित किस्में उगाते थे और इसकी उत्पादन प्रौद्योगिकी पर ध्यान न देने के कारण केवल 150 क्विंटल प्रति हैक्टर की कम उपज ही प्राप्त होती थी। कृषि विज्ञान केन्द्र, उज्जैन ने क्षमतावान क्षेत्र की पहचान करके वर्ष 2007 में संकर टमाटर की खेती को प्रोत्साहित किया। इसमें संकर किस्में, नर्सरी प्रबंधन, समन्वित पोषण और कीट प्रबंधन, पौध उगाने के लिए ट्रे का उपयोग जैसी अनुकूल प्रौद्योगिकियों के प्रयोग और टमाटर में विकृतियों को दूर करने के लिए विशेष हस्ताक्षेप भी किया गया। अब उज्जैन जिले में 3500 हैक्टर क्षेत्र पर टमाटर की खेती की जाती है और 250 से 325 क्विंटल प्रति हैक्टर औसत उपज प्राप्त होती है।

मध्य प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण सुविधाओं की कमी के कारण किसान अपनी फसल कम दामों पर बेचने को मजबूर थे और कभी-कभी तो इसका दाम 2 से 3 रुपये प्रति कि.ग्रा. तक ही मिल पाता था। इसके मद्देनजर कृषि विज्ञान केन्द्र ने इसमें पहल की ताकि कुल उपज का लगभग 35 प्रतिशत भाग घरेलू उत्पादों के रूप में संरक्षित किया जा सके। इसके लिए देवराखेड़ी, भैसोडा और कपेली गांवों से एक टमाटर उत्पादन समूह का चुनाव किया गया। टमाटर परिरक्षण के लिए इन गांवों में कई तरह के प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया। कृषक महिलाओं को टमाटर उत्पादों के परिरक्षण का व्यवहारिक प्रदर्शन किया गया। 'कैचअप' तैयार करने के लिए चयनित पौधों पर टैग लगा दिये गये।

इन कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप वर्ष 2008 में 1.2 और 1.5 लाख पूंजी एकत्र करके दो स्वयं सहायता संगठन बनाये गये- 'ओजन स्वयं सहायता समूह' और 'जय मां दुर्गा'। कृषि विज्ञान केन्द्र की गृह वैज्ञानिक के मार्गदर्शन में कृषक महिलाओं ने घरेलू स्तर पर टमाटर कैचअप बनाना सीखा। स्वयं सहायता समूह की क्षमता और विपणन के मद्देनजर कृषि विज्ञान केन्द्र ने इन उत्पादों को बड़े स्तर पर बेचने के लिए इनका ब्रांड नाम 'राज विजय टमाटर कैचअप' रखा। यह 'राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर द्वारा विपणन हेतु उत्पादों का संक्षिप्त नाम है। तीन वर्ष के अग्रिम प्रदर्शनों के पश्चात टमाटर उत्पादन और परिरक्षित उत्पादों का आर्थिक विश्लेषण किया गया जिससे पता लगा कि कृषकों को 9.8 गुना अधिक लाभ प्राप्त हो रहा है।

अब ये दोनों समूह 200 से 2500 कि.ग्रा. उत्पाद देने में सक्षम हैं। अगले वित्तीय वर्ष में बैंक ऑफ इंडिया की वित्तीय सहायता से इन समूहों द्वारा एक लघु प्रसंस्करण इकाई शुरू करने की योजना है। जिला स्तर पर कार्यरत कृषि विज्ञान केन्द्र किसानों का आर्थिक स्तर सुधारने के लिए उचित प्रौद्योगिकी और प्लेटफार्म प्रदान करते हैं।

प्रश्न 03

प्रूफ फॉर करैक्शन अंक-30

उज्जैन जिले में सोयाबन आधारित फसल पद्धति प्रमुखता से अपनायी जाती है। खरीफ में लगभग 95 प्रतशत क्षेत्र में सोयाबीन उगाने के पश्चात रबी मौसम में चना, गेहूं, आलू, लहसुन और प्याज की खेती की जाती है। पहले किसान टमाटर की खुला परागत किस्में उगाते थे और इसकी उत्पादन प्रौद्रिकी पर ध्यान न देने के कारण केवल 150 किविंटल प्रति हैक्टर की कम उपज ही प्राप्त होती थी। कृषि विज्ञान केन्द्र, उज्जैन ने क्षमतावान क्षेत्र की पहचान करके वर्ष 2007 में संकर टमाटर की खेती को प्रोत्साहित किया। इसमें संकर किस्में, नर्सरी प्रबंधन, समन्वित पोषण और कीट प्रबंधन, पौध उगाने के लिए ट्रे का उपयोग जैसी अनुकूल प्रौदगिकियों के प्रयोग और टमाटर में विकृतियों को दूर करने के लिए विशेष हस्ताक्षेप भी किया गया। अब उज्जैन जिले में **3500** हैक्टर क्षेत्र पर टमाटर की खेती की जाती है और **250** से **325** क्विंटल प्रति हैक्टर औसत उपज प्राप्त होती है। मध्य प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण सुविधाओं की कमी के कारण किसान अपनी फसल कम दामों पर बेचने को मजबूर थे और इसका दाम **2** से **3** रुपये प्रति कि.ग्रा. तक ही मिल पाता था कभी-कभी तो । इसके मद्देनजर क्रशी विज्ञान केन्द्र ने इसमें पहल की ताकि कुल उपज का लगभग ***35*** प्रतिशत भाग घरेलू उत्पादों के रूप में संरक्षित किया जा सके। इसके लिए देवराखेड़ी, भेसोडा और कपेली गांवों से एक टमाटर उत्पादन समूह का चुनाव किया गया। टमाटर परिरक्षण के लिए इन गांवों में कई तरह के प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया। कृषक महिलाओं को टमाटर उत्पादों के परिरक्षण का व्यवहारिक प्रदर्शन किया गया। 'कैचअप' तैयार करने के लिए चयनित पौधों पर टैग लगा दिये गये।

इन कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप वर्ष *2008* में *1.2* और *1.5* लाख पूंजी एकत्र करके दो स्वयं सहायता संगठन बनाये गये- 'ओजन स्वयं सहायता समूह' और 'जय मां दुर्गा'। कृषि विज्ञान केन्द्र की गृह वैज्ञानिक के मार्गदर्शन में कृषक महिलाओं ने घरेलू स्तर पर टमाटर कैचअप बनाना सीखा।

स्वयं सहायता समूह की क्षमता और विपणन के मद्देनजर क्रशी विज्ञान केन्द्र ने इन उत्पादों को बड़े स्तर पर बेचने के लिए इनका ब्रांड नाम 'राज विजय टमाटर कैचअप' रखा। यह 'राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर द्वारा विपणन हेतु उत्पादों का संक्षिप्त नाम है। तीन वर्ष के अग्रिम प्रदर्शनों के पश्चत टमाटर उत्पादन और परिरक्षित उत्पादों का आर्थिक विश्लेषण किया गया जिससे पता लगा कि कृषकों को 9.8 गुना अधक लाभ प्राप्त हो रहा है। अब ये दोनों समूह 200 से 2500 कि.ग्रा. उत्पाद देने में सक्षम हैं। अगले वित्तीय वर्ष में बैंक ऑफ इडिया की वित्तीय सहायता से इन समूहों द्वारा एक लघु प्रसंस्करण इकाई शुरू करने की योजना है। जिला स्तर पर कार्यरत कृषि विज्ञान केन्द्र किसानों का आर्थिक स्तर सुधारने के लिए उचित प्रौद्रिकी और प्लेटफार्म प्रदान करते हैं।

PARLIAMENT OF INDIA
(JOINT RECRUTMENT CELL)

EXAMINATION FOR THE POST OF JUNIOR PROOF READER IN LOK SABHA SECRETARIAT
07.09.2013
PAPER –II : ESSAY AND GRAMMER

INSTRUCTIONS : This Paper contains two parts. **Part –A** : English Essay and Grammer; and **Part-B**: Hindi Essay and Grammer. **Attempt both the parts in separate answer sheets.**

Time : 2 Hours

Marks : 100

Part –A: ENGLISH ESSAY AND GRAMMER

1. Write an Essay on any one of the following topics in about 300 words (40 marks)

(i) India of my dreams
(ii) Protecting the Environment is not the Government's problem alone , but of every citizen
(iii) The Internet has dramatically changed our life
(iv) Empowering women will help resolve many of India's problems
(v) Your personal plan for rooting out corruption from India

2. Fill in the blanks choosing the most suitable option from the given choices : (10 marks)

(i) **A beginner's paintings can not be compared ----------an expert's.**
(A) to (B) from (C) at (D) by

(ii) **I----------the house when they returned.**
(A) have been cleaning (B) had been cleaning (C) was cleaning (D) am cleaning

(iii) **The breeze is cool and fresh, it----------rain soon.**
(A) may (B) can (C) will (D) must

(iv) **Three years have passed since ----------**
(A) his father has died (B) his father died (C) his father had died (D) his father dies

(v) **The train .....before we reach the station.**
(A) left (B) leaves (C) has left (D) will have left

(vi) **Had I known you were coming ----------**
(A) I would have stayed at home (B) I will stay at home
(C) I would stay at home (D) I shall stay at home

(vii) **Such an act would not be appreciated .....it were just**
(A) as though (B) even if (C) so that (D) moreover

(viii) **Ahsok did not answer all the questions, ----------he hoped to pass the examination**
(A) besides (B) nevertheless (C) in any case (D) provided that

(ix) **He worked hard, lest he..... fail**
(A) might (B) could (C) should (D) will

(x) **After the robbery, the shop installed a sophisticated alarm system as an insurance .....further losses**
(A) for (B) from (C) against (D) towards

PART-B : HINDI ESSAY AND GRAMMER

1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर सुविचारित निबन्ध 300 शब्दों में लिखिए (अंक 40)

(क) राजभाषा हिंदी की उन्नति के उपाय
(ख) हमारा समय और मीडिया
(ग) बेरोज़गारी की समस्या
(घ) भारतीय गाँव
(ड) समाज पर फिल्मों का प्रभाव

2. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए (अंक 05)

(क) मैंने अख़बार पढ़ ली है ।
(ख) अनेकों लोग उपस्थित थे ।
(ग) इन सबों ने काम नहीं करा ।
(घ) दादाजी रेलगाड़ी पर आया है ।
(ड) तुम तुम्हारे घर अभी चले जाओ ।

3. निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी शुद्ध करें (अंक 05)

(क) रात्री
(ख) ग्रहस्थ
(ग) ज्योत्सना
(घ) श्रेष्ट
(ड) पूज्यनीय